12 मार्च 2026
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

प्रगति यात्रा से पहले एक्शन में डीएम साहिला, सड़कों से लेकर मैदान तक की व्यवस्थाओं पर कसा शिकंजा

2

एक नजर

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने टेलीग्राम को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत नोटिस जारी किया है। मंत्रालय ने टेलीग्राम से कहा कि वह अपने प्लेटफॉर्म से पाइरेटेड यानी चोरी किए गए कंटेंट को हटाए। सरकार से जुड़े सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, यह कदम तब उठाया गया है, जब जियोसिनेमा, अमेजन प्राइम वीडियो जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की ओर से शिकायत की गई। इन प्लेटफॉर्म्स ने आरोप लगाया कि टेलीग्राम पर उनके कॉपीराइट वाले कंटेंट की बड़ी मात्रा में चोरी हो रही है और वितरण हो रहा है। इन शिकायतों की जांच के आधार पर कुल 3143 टेलीग्राम चैनल्स की पहचान की गई। इन चैनल्स पर फिल्में और ओटीटी कंटेंट सहित पाइरेटेड कंटेंट बड़े पैमाने पर साझा किया जा रहा था।

हाथियों को बचाने के लिए रेलवे ने ट्रैक पर लगाया ऑप्टिकल फाइबर-एआई कैमरा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे हाथियों और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। जंगलों से गुजरने वाली पटरियों पर हाईटेक तकनीक लगाई जा रही है, जिससे हाथी सुरक्षित रूप से ट्रैक पार कर सकें। ऑप्टिकल फाइबर और एआई कैमरा जैसी तकनीक अब सीधे हाथियों की हलचल को पहचानकर समय रहते ट्रेन को अलर्ट भेजती हैं। इससे हाथी सुरक्षित ट्रैक पार कर पाते हैं और हादसों का जोखिम कम होता है।बुधवार को लोकसभा में रेल मंत्री ने हाथियों की सुरक्षा और पटरियां पार करने से जुड़े सवाल के जवाब दिए। रेल मंत्री ने कहा, हाथियों और अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए रेलवे ने कई कदम उठाए हैं। कई स्थानों पर अंडरपास और ओवरपास बनाए गए हैं। नई तकनीक के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया जा रहा है। देशभर में करीब दो हजार किलोमीटर रेलवे ट्रैक ऐसे वन क्षेत्रों से गुजरते हैं, जहां हाथी अक्सर पटरियां पार करते हैं। ऐसे चिन्हित हिस्सों में दो विशेष तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

ईरान से 100 भारतीय छात्रों की घर वापसी, आर्मेनिया-दुबई के रास्ते 14-15 मार्च को पहुंचेंगे दिल्ली

एजेंसी। नई दिल्ली

ईरान और इस्राइल-अमेरिका युद्ध के चलते खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस 12 मार्च से पश्चिम एशिया के लिए कुल 58 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों का संचालन करेंगे। दोनों एयरलाइंस क्षेत्र के विभिन्न शहरों के लिए अपनी सेवाएं जारी रखेंगी, जिससे यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस कल से रियाद (सऊदी अरब) के लिए एक-एक गैर-निर्धारित राउंड फ्लाइट भी संचालित करेंगे। इनमें से एक उड़ान मुंबई से

और दूसरी कोझिकोड से रवाना होगी। इसके अलावा दोनों एयरलाइंस जेद्दा और मस्कट के लिए अपनी नियमित सेवाएं भी जारी रखेंगी। जेद्दा के लिए कुल 10 उड़ानें संचालित की जाएंगी, जबकि एअर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट के लिए आठ निर्धारित उड़ानें संचालित करेगी।एअर इंडिया दिल्ली से एक राउंड-ट्रिप और मुंबई से दो राउंड-ट्रिप जेद्दा के लिए संचालित करेगी। वहीं एअर इंडिया एक्सप्रेस बंगलूरू और कोझिकोड से जेद्दा के लिए एक-एक राउंड-ट्रिप उड़ान चलाएगी। मस्कट के लिए एअर इंडिया एक्सप्रेस अपनी नियमित सेवाएं संचालित करेगी, जिसमें दिल्ली और मुंबई से एक-एक राउंड-ट्रिप तथा कोझिकोड से दो राउंड-ट्रिप शामिल हैं।एअर इंडिया की उत्तरी अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अन्य क्षेत्रों के लिए उड़ानें तय समय के अनुसार संचालित होती रहेंगी। इसके अलावा 10 से 18 मार्च 2026 के बीच यूरोप, अमेरिका, श्रीलंका और मालदीव के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें भी संचालित की जाएंगी।

ईरान के अलग-अलग रास्तों से आ रहे छात्र

एसोसिएशन के नेशनल कन्वीनर नासिर खुएहामी ने बताया कि ये छात्र ईरान के अलग-अलग जगहों से सड़क मार्ग के जरिए आर्मेनिया के येरेवन स्थित ज्वार्तनोट्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचेंगे. फिर वहां से दुबई होते हुए दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेंगे।

दुबई की एयरलाइंस में टिकट बुक

नासिर ने बताया कि ईरान के उर्मिया शहर से आ रहे ज्यादातर छात्र फ्लाईदुबई एयरलाइंस की फ्लाइट से आएंगे. इनके लिए टिकट पहले ही बुक करा ली गई हैं. अधिकतर छात्र 14 मार्च को फ्लाइट संख्या त्रे8124 से पहुंचेंगे, जबकि बाकी छात्र 15 मार्च को दिल्ली में उतरेंगे।

विदेश मंत्रालय ने की छात्रों की मदद

एसोसिएशन ने बताया कि छात्रों को ईरान से सड़क मार्ग के रास्ते आर्मेनिया लाने के लिए उसने विदेश मंत्रालय से जरूरी परमीशन और मदद मांगी थी, क्योंकि उत्तर-पश्चिमी ईरान से सुरक्षित निकलने के लिए फिलहाल यही सबसे सही रास्ता है. विदेश मंत्रालय ने न सिर्फ आवश्यक अनुमति प्रदान की बल्कि छात्रों के सफर में सहायता भी की।

तमिलनाडु में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा-

घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने आज तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है, लेकिन भारत की सरकार हर परिस्थिति में 'इंडिया फर्स्ट' की नीति पर काम करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है और केवल सही तथा सत्यापित जानकारी ही फैलानी चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'मुझे विश्वास है कि एक राष्ट्र के रूप में हम हर स्थिति का सफलतापूर्वक सामना करेंगे। पीएम मोदी रैली में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि तिरुची साहस और आस्था की भूमि है और यहां आकर उन्हें हमेशा विशेष अनुभव होता है। प्रधानमंत्री ने याद किया कि दो साल पहले भी उन्हें इस शहर में एक 'आध्यात्मिक अनुभव' हुआ था। उन्होंने कहा कि उन्हें तमिल लोगों से जुड़ने में हमेशा दिलचस्पी रहती है और वे तमिलनाडु की भावनाओं को साफ-साफ महसूस कर सकते हैं। पीएम मोदी ने दावा किया कि राज्य में बदलाव की इच्छा तेजी से बढ़ रही है और जनता अब डीएमके सरकार को हटाने का मन बना चुकी है। उनके अनुसार लोग ऐसी सरकार चाहते हैं जो हर परिवार के लिए काम करे, न कि केवल एक परिवार के लिए। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके शासन में सत्ता एक ही परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। मंत्री और विधायक बदलते रहते हैं, लेकिन असली ताकत उसी परिवार के पास रहती है। उन्होंने डीएमके पर 'वैज्ञानिक भ्रष्टाचार मॉडल' चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि तमिलनाडु को एक परिवार का एटीएम बना दिया गया है।

तिरुची के 'कैश-फॉर-जॉब' घोटाले का जिक्र

प्रधानमंत्री ने तिरुची जिले से जुड़े कथित 'कैश-फॉर-जॉब' घोटाले का भी जिक्र किया और कहा कि जब नौकरियां पैसे लेकर बेची जाती हैं तो गरीब और मध्यम वर्ग के युवाओं के सपने टूट जाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में होने वाला भ्रष्टाचार अंत में एक ही परिवार तक पहुंच जाता है। इसके साथ ही उन्होंने अवैध रेत खनन को लेकर भी डीएमके सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इससे नदियों और पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है।

किसानों के मुद्दे और सरकारी योजनाओं का जिक्र

पीएम मोदी ने किसानों के मुदे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि कावेरी डेल्टा के किसान तमिलनाडु की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं और उन्हें उचित कीमत, बेहतर सुविधाएं तथा आधुनिक भंडारण ढांचा मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके ने अनाज के गोदाम बनाने का वादा किया था, लेकिन किसान आज भी उन गोदामों को ढूंढ रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि धान के एमएसपी में बड़ी बढ़ोतरी का वादा भी पूरा नहीं हुआ। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि तिरुची हवाईअड्डे का नया टर्मिनल आधुनिक होने के साथ-साथ तमिल संस्कृति की झलक भी दिखाता है। उन्होंने बताया कि मदुरै हवाईअड्डे को अंतरराष्ट्रीय दर्जा दिया गया है, जिससे दुनिया सीधे इस शहर के दरवाजे तक पहुंचेगी। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु के बेटे सी.पी. राधाकृष्णन का देश के उपराष्ट्रपति पद पर होना पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है।

ओडिशा में 10 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण मणिपुर में छह उग्रवादी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

अहमदाबाद की अदालत ने नाइजीरिया और जाम्बिया के दो नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी मामले में 20 साल कड़ी जेल की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों पर दो-दो लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया।एनसीबी के अनुसार, जाम्बियाई नागरिक हांचाबिला जॉन को 3 सितंबर 2021 को दुबई से अहमदाबाद आने वाली फ्लाइट में 2.75 किलोग्राम हेरोइन ले जाते पकड़ा गया। नाइजीरियाई नागरिक न्वाओबू

क्रिश्चियन अरिंजे (37) को इस नशे का रिसीवर पाया गया और बाद में गिरफ्तार किया गया। मणिपुर पुलिस ने तीन जिलों से छह सक्रिय मिलिटेंट गिरफ्तार किए हैं, जो अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े हैं। तीन लोग प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के गिरफ्तार। दो सदस्य प्रेपाक (प्रो) और केसीपी (एमएफएल) से जुड़े, अलग-अलग जिलों से गिरफ्तार। सुरक्षा बलों ने कांगपोम्पी जिले में लगभग 10 एकड़ अफीम की खेती नष्ट की। पिछले दो साल से मणिपुर में जातीय हिंसा जारी है, जिसमें 260 से अधिक लोग मारे गए और हजारों बेघर हुए हैं। ओडिशा में 1.15 करोड़ रुपये के संयुक्त इनाम वाले 10 माओवादियों ने कंधमाल जिले में ओडिशा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है।

एनसीईआरटी का विवादित चैप्टर बनाने वाली टीम के खिलाफ निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट एनसीईआरटी के कक्षा 8वीं की सोशल साइंस की किताब में 'करप्शन इन द ज्यूडिशियरी' नाम का सब-चैप्टर तैयार करने वाली टीम को हटाने की तैयारी में है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और पब्लिक फंडेड इंस्टीट्यूशन्स को निर्देश दिया है कि एनसीईआरटी के सोशल साइंस करिकुलम के चेयरपर्सन प्रोफेसर मिशेल डेनिनो को पाठ्यक्रम से अलग करें। साथ ही, उनके दो अन्य सहयोगी सदस्यों दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार को भी किसी भी तरह से पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया में शामिल न किया जाए। इसके अलावा, तीनों को नेक्स्ट जनरेशन टेक्स्टबुक्स को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया से भी अलग किया जाए।

देशभर में एलपीजी की किल्लत एजेंसी के बाहर लंबी लाइनें

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर लंबी लाइनें लगी हैं। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स में खाना नहीं बन पा रहा है। वहीं, एलपीजी सिलेंडर की किल्लत के चलते अयोध्या में राम रसोई को बंद कर दिया गया है। 8 साल में पहला मौका है जब राम रसोई बंद की गई है। इस बीच देश में रसोई गैस (एलपीजी) की कमी की खबरों को सरकार ने फेक बताया। जनता से शांत रहने की अपील की और एलपीजी की कमी को लेकर झूठी खबरें न फैलाने को कहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि देश में एलपीजी की डिलीवरी साइकल अभी भी 2.5 दिन ही बना हुआ है। देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और लोग घबराकर 'पैनिक बुकिंग' न करें। सप्लाई चेन को दुरुस्त रखने के लिए घरेलू एलपीजी का उत्पादन 25% तक बढ़ा दिया गया है। कुछ जगहों पर गलत जानकारी की वजह से लोग पैनिक बुकिंग और जमाखोरी कर रहे हैं। ग्राहकों को घबराने की जरूरत नहीं है।

अरियांव में बाल विवाह व लैंगिक उत्पीड़न के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम

- **महिला एवं बाल विकास निगम की पहल, विभिन्न सरकारी योजनाओं और हेल्पलाइन की दी गई जानकारी**

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रखंड क्षेत्र के अरियांव गांव में महिला एवं बाल विकास निगम के अंतर्गत जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन, बक्सर की ओर से बाल विवाह, लैंगिक उत्पीड़न और महिलाओं से जुड़ी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के बारे में जानकारी देना था।

इस अवसर पर उपस्थित विशेषज्ञों ने कहा कि बाल विवाह और लैंगिक उत्पीड़न जैसी कुरीतियां समाज के विकास में बड़ी बाधा हैं। इन कुरीतियों को समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने बताया कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को कानून, अधिकार और सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास निगम की मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें विशेष रूप से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन नंबर 181 तथा आपातकालीन सहायता के लिए 112 नंबर के बारे में बताया गया। साथ ही महिला पुनर्वास कोष, कौशल विकास और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी लोगों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि महिलाओं और जरूरतमंद लोगों को एक ही छत के नीचे विभिन्न सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला स्तर पर कई सुविधाएं संचालित की जा रही हैं। इसके अंतर्गत जिला नियोजन कार्यालय द्वारा रोजगार से संबंधित सेवाएं, सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत विधवा एवं वृद्धा पेंशन, तथा जिला नियोजन एवं परामर्श केंद्र द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सेवाओं की जानकारी भी विस्तार से दी गई।

इस दौरान ग्रामीणों को आधार पंजीकरण से जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी बताया गया। उपस्थित लोगों से अपील की गई कि वे बाल विवाह और महिलाओं के खिलाफ होने वाले किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की सूचना तुरंत संबंधित हेल्पलाइन या प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

प्रचार-प्रसार कार्यक्रम के दौरान लैंगिक विशेषज्ञ शिवांगी, मल्टी टास्किंग स्टाफ मुकेश कुमार, महिला पर्यवेक्षिका पूनम कुमारी सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और महिलाओं के अधिकारों तथा सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

प्रगति यात्रा से पहले एक्शन में डीएम साहिला, सड़कों से लेकर मैदान तक की व्यवस्थाओं पर कसा शिकंजा

- **सेंट्रल जेल रोड चौड़ीकरण, किला मैदान व आईटीआई मैदान की सफाई-रंगाई के निर्देश, अतिक्रमण हटाने और नालों की सफाई पर भी प्रशासन सख्त**

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में प्रस्तावित प्रगति यात्रा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी साहिला ने बुधवार को बक्सर नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क, सफाई, अतिक्रमण और सरकारी परिसरों की स्थिति पर अधिकारियों को कई अहम निर्देश दिए तथा तय समय सीमा में सभी कार्य पूरे कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सेंट्रल जेल तक जाने वाले मार्ग का विशेष रूप से अवलोकन किया। उन्होंने पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को स्पष्ट निर्देश दिया कि इस सड़क के चौड़ीकरण का कार्य जल्द से जल्द पूरा कराया जाए, ताकि यातायात में किसी प्रकार की बाधा न हो। साथ ही सड़क के किनारे बने गड्ढों को तत्काल भरवाकर समतलीकरण कराने का भी निर्देश दिया गया, जिससे आवागमन सुगम और सुरक्षित हो सके।

डीएम ने कहा कि प्रगति यात्रा जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम से पहले शहर की सड़कों की स्थिति बेहतर दिखनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने किला मैदान और हवाई अड्डा पथ पर भी आवश्यक मरम्मत व सुधार कार्य कराने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सड़क किनारे की अव्यवस्था को दूर कर व्यवस्थित स्वरूप दिया जाए, ताकि पूरे क्षेत्र की साफ-सुथरी छवि सामने आए। नगर परिषद को भी इस दौरान कई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिलाधिकारी ने नगर परिषद बक्सर के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया कि आईटीआई मैदान और उसके आसपास के क्षेत्र में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया जाए। इसके अलावा हवाई अड्डा पथ और किला मैदान के आसपास भी पर्याप्त सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया। डीएम ने स्पष्ट किया कि नालों की नियमित सफाई की जाए और जहां आवश्यक हो वहां नालों के ऊपर स्लैब की व्यवस्था भी कराई जाए, ताकि गंदगी और दुर्घटनाओं की संभावना खत्म हो सके।

उन्होंने किला मैदान और आईटीआई मैदान की दीवारों की स्थिति पर भी नाराजगी जताई। डीएम ने निर्देश दिया कि इन मैदानों की दीवारों का रंग-रोगन और पेंटिंग जल्द कराई जाए, जिससे परिसर का स्वरूप बेहतर और आकर्षक बन सके। साथ ही किला मैदान के क्षतिग्रस्त मुख्य गेट को भी तत्काल बदलने का निर्देश दिया गया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रशासनिक अधिकारियों को यह भी स्पष्ट कर दिया कि शहर में अवैध अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर को निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर सड़क या मार्ग के किनारे अतिक्रमण है, वहां चिन्हित कर संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया जाए और जल्द से जल्द अतिक्रमण हटवाने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे की जमीन को खाली कराकर व्यवस्थित बनाया जाए, ताकि यातायात सुचारु रूप से चल सके।

इसके अलावा जिलाधिकारी ने नगर परिषद को यह भी निर्देश दिया कि विभिन्न सरकारी संरचनाओं के बीच समन्वय बनाकर आवश्यक मरम्मत, रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जाए। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा और व्यवस्थित बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली और स्पष्ट रूप से कहा कि जिन कार्यों के लिए निर्देश दिए गए हैं, उनमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए तय समय में तैयारियां पूरी करें, ताकि प्रगति यात्रा के दौरान शहर की व्यवस्था बेहतर तरीके से सामने आ सके।

एक नजर

होली के दिन मारपीट व फायरिंग मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

नावानगर। सोनवर्षा थाना क्षेत्र के अमरपुरी हाता में होली के दिन हुई मारपीट और फायरिंग की घटना में फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर लोगों में भरोसा बढ़ा है। मिली जानकारी के अनुसार, होली के दिन अमरपुरी हाता में दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। देखते ही देखते विवाद ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट होने लगी। इस दौरान एक पक्ष के समर्थकों द्वारा हवाई फायरिंग किए जाने की भी बात सामने आई थी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। घटना के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए सोनवर्षा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। इसी क्रम में पुलिस ने छापेमारी कर फरार चल रहे आरोपी रामायण पासी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में सोनवर्षा थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि होली के दिन हुई मारपीट एवं फायरिंग के मामले में फरार आरोपी रामायण पासी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

उसरा गांव में बिजली चोरी पर बड़ी कार्रवाई, 13 लोगों पर जुर्माना और एफआईआर

नावानगर। बिजली विभाग ने सोनवर्षा थाना क्षेत्र के उसरा गांव में बिजली चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 लोगों को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़ा है। इस मामले में बिजली विभाग के जेई अवनीश कुमार ने सभी आरोपितों पर जुमार्ना लगाते हुए सोनवर्षा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि उसरा गांव में कई लोग बिजली का अवैध कनेक्शन लेकर चोरी से बिजली का उपयोग कर रहे हैं। सूचना मिलते ही जेई अवनीश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर गांव में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान कई घरों में सीधे तार जोड़कर बिजली जलाते हुए लोगों को पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान सलमा खातून, करीमन मियां, नईमुद्दीन अंसारी, बबन शर्मा, हीरालाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, बिरेन शर्मा, ददन शर्मा, सुनील पांडेय, सुनीता देवी, कमलेश पांडेय, हरेराम शर्मा तथा प्रताप शर्मा को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया। विभाग ने सभी पर अलग-अलग राशि का आर्थिक दंड लगाया है। जेई अवनीश कुमार ने बताया कि पकड़े गए लोगों पर 9 हजार से लेकर 42 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगाया गया है। सबसे अधिक 42,426 रुपये का जुमार्ना सुनील पांडेय पर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। इधर, बिजली विभाग की इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जेसीबी जब्ती को लेकर बढ़ी चर्चा, मुखिया पति व खान निरीक्षक के बीच आरोप प्रत्यारोप

- **खेल मैदान के लिए जमीन समतलीकरण का दावा, अवैध खनन की आशंका में हुई कार्रवाई**
- **दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने शुरू की जांच**

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड क्षेत्र के केशोपुर गांव में जेसीबी मशीन जब्ती को लेकर उत्पन्न विवाद अब चर्चा का विषय बन गया है। रविवार को गांव में जब्त की गई जेसीबी मशीन को लेकर मुखिया पति और खान विभाग के बीच आरोपझ्रप्रत्यारोप सामने आए हैं। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से सिमरी थाना में लिखित शिकायत दी गई है, जिसके आधार पर पुलिस जांच में जुट गई है।

केशोपुर पंचायत की मुखिया के पति छोटू मिश्रा का कहना है कि गांव के युवाओं की मांग पर खेल मैदान के निर्माण के लिए जमीन समतलीकरण का कार्य कराया जा रहा था। इसके लिए जेसीबी मशीन मंगाई गई थी, लेकिन काम शुरू होने से पहले ही मशीन खराब हो गई और वह मौके पर खड़ी थी। इसी दौरान खान निरीक्षक प्रकाश कुमार अपनी टीम के साथ पहुंचे और मशीन को जब्त कर लिया। मुखिया पति का आरोप है कि उनसे बातचीत के दौरान खान निरीक्षक ने दो लाख रुपये की मांग की और राशि नहीं देने पर कार्रवाई की बात कही। उन्होंने इस संबंध में एक वीडियो बयान भी जारी किया है, जो स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं खान निरीक्षक प्रकाश कुमार ने इन आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि टीम को सूचना मिली थी कि उक्त स्थान पर अवैध खनन की गतिविधि चल रही है, जिसके आधार पर जेसीबी मशीन को जब्त किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं ग्रामीणों ने भी पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

डुमरांव में परिवार नियोजन अभियान को मिली नई रफ्तार, डॉ प्रेमा कुमारी को मिला सम्मान

- **अनुमंडल अस्पताल की प्रभारी उपाधीक्षक ने तीन माह में लगाए 224 आईयूसीडी, स्वास्थ्य विभाग ने प्रशस्ति पत्र देकर सराहा योगदान**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल अस्पताल में परिवार नियोजन कार्यक्रम को गति देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को अब सरकारी स्तर पर भी सराहना मिल रही है। इसी कड़ी में अनुमंडल अस्पताल की प्रभारी उपाधीक्षक डॉ प्रेमा कुमारी को परिवार नियोजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में उन चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने परिवार नियोजन कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। इसी क्रम में डॉ प्रेमा कुमारी को जनवरी 2025 से मार्च 2025 के बीच किए गए बेहतर कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। विभागीय आंकड़ों के अनुसार इस अवधि के दौरान डॉ प्रेमा कुमारी ने कुल 224 महिलाओं को आईयूसीडी (इंट्रा यूट्राइन कॉन्ट्रासेप्टिव डिवाइस) की सुविधा उपलब्ध कराई। उनके इस प्रयास से न केवल परिवार नियोजन कार्यक्रम को मजबूती मिली, बल्कि क्षेत्र की महिलाओं में सुरक्षित गर्भनिरोधक उपायों के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आईयूसीडी परिवार नियोजन का एक सुरक्षित और प्रभावी विकल्प है, जिसे महिलाओं के गर्भाशय में लगाया जाता है। यह गर्भनिरोधक विधि लंबे समय तक असरदार रहती है और सामान्य तौर पर तीन से दस वर्षों तक गर्भधारण को रोकने में सक्षम होती है। इसकी खासियत यह भी है कि यह पूरी तरह प्रतिवर्ती विधि है। यानी महिला जब चाहे इसे निकलवाकर फिर से गर्भधारण कर सकती है। अधिकारियों ने कहा कि परिवार नियोजन कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका बेहद अहम होती है। लोगों को सही जानकारी देना, उन्हें सुरक्षित विकल्पों के बारे में जागरूक करना और भरोसा दिलाना इस अभियान की सफलता की कुंजी है। डॉ प्रेमा कुमारी के इस कार्य को स्वास्थ्य विभाग ने अन्य चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए भी प्रेरणादायी बताया। विभाग का मानना है कि ऐसे प्रयासों से न केवल मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार होगा, बल्कि जनसंख्या नियंत्रण और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा।

डुमरांव में चैत रामनवमी के दिन निकलेगा भव्य महाबीरी झंडा जुलूस, तैयारी तेज

- **श्री महाबीरी झंडा पूजा समिति के बैनर तले हर साल आयोजित होता है कार्यक्रम, 27 मार्चा को मनाया जाएगा वासंतिक नवरात्र**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में हर साल की भांति इस वर्ष भी चैत नवरात्र के मौके पर भव्य रामनवमी जुलूस निकाला जाएगा। यह आयोजन श्री महाबीरी झंडा पूजा समिति के बैनर तले आयोजित किया जाता है। आयोजन को सफल व भव्य बनाने के लिए समिति ने अभी से ही तैयारी शुरू कर दी है। बुधवार को समिति के संयोजक गुप्तेश्वर प्रसाद उर्फ गुरूजी के नेतृत्व में एक बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई तथा कार्यक्रम के दृष्टिकोण से कार्यसमिति का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष विजय कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष पवन केशरी, अनिल कुमार, दीपक रौनियार, सचिव मनोज केशरी, उप सचिव कृष्ण मुरारी केशरी, विनोद केशरी कोषाध्यक्ष नीरज केशरी, उप कोषाध्यक्ष ओमवीर, आशीष केशरी, सूचना प्रभारी दयाशंकर प्रसाद को बनाया गया। इसके अलावे अभिषेक, सत्यम, अंकित, आर्यन व कल्लू गोंड को कार्य समिति सदस्य जबकि संरक्षक मंडल में सुमीत कुमार गुप्ता, विकास ठाकुर, सत्यजीत, राजेश, मनोज, आशीष राय, मनोज वर्मा, पिंटू वर्मा, मदनजी गुप्ता तथा राजेश मिश्रा को शामिल किया गया है।

संयोजक ने बताया कि इस बार का कार्यक्रम पहले की तुलना में और अधिक भव्य रूप से मनाया जाएगा। उन्होंनें बताया कि 27 मार्च को सुबह आठ बजे छठिया पोखरा महावीर मंदिर में हवन-पूजन एवं रथ पूजन के पश्चात उसी दिन नगर भ्रमण करते हुए संध्या चार बजे राजगढ़ के फाटक से विशाल जुलूस निकाला जाएगा। उन्होंने बताया कि जुलूस को आकर्षक व भव्य बनाने के लिए हाथी, घोड़ा व उंट के साथ ही कई जगहों के प्रसिद्ध ढोल-तासे को शामिल किया गया है तथा कई तरह की झांकियां भी शामिल होगी। आयोजन को ले समिति सदस्यों का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। हर दिन आयोजन को सफल बनाने के लिए जरूरी कार्य किए जा रहे है।

15 लाख तक की योजनाओं में भी अब ई-टेंडर अनिवार्य

नगर विकास विभाग का नया आदेश, डुमरांव समेत जिले के सभी नगर निकायों में विभागीय कार्य पर लगी रोक

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार के नगर निकायों में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। नगर विकास एवं आवास विभाग ने नया आदेश जारी करते हुए अब 15 लाख रुपये से कम लागत वाली योजनाओं को भी ई-निविदा (ई-टेंडर) के माध्यम से ही कराने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही पूर्व में जारी वह आदेश रद्द कर दिया गया है, जिसके तहत 15 लाख रुपये से कम की योजनाओं को विभागीय स्तर पर बिना निविदा के कराया जा सकता था। यह आदेश बक्सर जिले के नगर परिषद डुमरांव सहित सभी नगर परिषद और नगर पंचायतों पर समान रूप से लागू होगा। विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि अब नगर निकायों द्वारा किसी भी योजना को विभागीय रूप से नहीं कराया जाएगा। सभी कार्यों के लिए ई-निविदा प्रक्रिया अनिवार्य होगी। दरअसल वर्ष 2023 में जारी आदेश के तहत नगर निकायों को 15 लाख रुपये तक की योजनाएं विभागीय स्तर पर कराने की छूट दी गई थी। इसी व्यवस्था के तहत डुमरांव नगर परिषद द्वारा पिछले एक वर्ष के दौरान बड़ी संख्या में योजनाओं का कार्य विभागीय स्तर पर कराया गया। हालांकि इन कार्यों को लेकर स्थानीय स्तर पर लगातार सवाल उठते रहे।

> नगर परिषद डुमरांव के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दुबे ने बताया कि विभागीय आदेश का अक्षरशः पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अब सभी योजनाएं ई-टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से ही कराई जाएंगी।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई स्थानों पर ऐसी सड़कों का निर्माण कराया गया, जहां आबादी बहुत कम है या लाभार्थियों की संख्या नगण्य है। वहीं जिन इलाकों में सड़क और बुनियादी सुविधाओं की सख्त जरूरत थी, वहां कार्य प्राथमिकता में नहीं लिया गया। हालात यह भी हैं कि हाल ही में बनी कई सड़कों में दरारें पड़ने लगी हैं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। डुमरांव ही नहीं, बल्कि बक्सर नगर पंचायत सहित राज्य के कई अन्य नगर निकायों से भी इसी तरह की शिकायतें नगर विकास एवं आवास विभाग को प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए यह नई व्यवस्था लागू की है। नए निर्देश के अनुसार यदि आदेश जारी होने की तिथि तक किसी योजना का कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, तो उसे विभागीय स्तर पर शुरू नहीं किया जाएगा। ऐसे सभी कार्यों को अब ई-टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से ही कराया जाएगा। विभाग का मानना है कि प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया लागू होने से कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होगा और नगर निकायों के राजस्व में भी वृद्धि की संभावना बढ़ेगी।

एक नजर

ग्राम कचहरी को डिजिटल बनाने की पहल, राजपुर में सचिवों व न्याय मित्रों को दिया गया प्रशिक्षण

राजपुर। ग्राम कचहरी की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की दिशा में राजपुर प्रखंड में महत्वपूर्ण पहल की गई। प्रखंड सभा कक्ष में बीपीआरओ अभिषेक पाठक की अध्यक्षता में न्याय मित्रों और ग्राम कचहरी सचिवों के साथ समीक्षा बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्राम कचहरी के संचालन, मामलों के निपटारे और डिजिटल प्रणाली के उपयोग को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में बीपीआरओ अभिषेक पाठक ने कहा कि सरकार के निर्देश के अनुसार ग्राम कचहरी की सक्रियता बढ़ाने के लिए न्याय मित्र और सचिवों की नियमित उपस्थिति आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सप्ताह में कम से कम दो दिन ग्राम कचहरी में रहकर मामलों के निष्पादन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना अनिवार्य होगा, ताकि ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही न्याय मिल सके। कार्यक्रम के दौरान ई-ग्राम कचहरी पोर्टल के उपयोग पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक हिमांशु कुमार और रामनारायण पाल ने टेलीकास्ट के माध्यम से बताया कि पोर्टल पर प्राप्त होने वाले मामलों के आवेदनों को किस प्रकार ऑनलाइन दर्ज किया जाएगा और उन्हें सही तरीके से अपलोड करने की प्रक्रिया क्या होगी। उन्होंने यह भी बताया कि डिजिटल माध्यम से मामलों का रिकॉर्ड सुरक्षित और व्यवस्थित रखा जा सकेगा। बीपीआरओ ने कहा कि ई-ग्राम कचहरी पोर्टल के इस्तेमाल से सभी मामलों का रिकॉर्ड डिजिटल रूप में उपलब्ध रहेगा, जिससे कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी और मामलों के निष्पादन की प्रक्रिया भी अधिक आसान और तेज हो सकेगी। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित न्याय मित्रों और ग्राम कचहरी सचिवों ने पोर्टल के उपयोग का व्यावहारिक अभ्यास भी किया और इससे संबंधित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर प्रखंड क्षेत्र की सभी पंचायतों के ग्राम कचहरी सचिव एवं न्याय मित्र उपस्थित रहे। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इस प्रशिक्षण से ग्राम कचहरी की व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा ग्रामीणों को न्याय दिलाने की प्रक्रिया को गति मिलेगी।

ओपन क्विज टेस्ट का 16 मार्च को होगा आयोजन

बक्सर। महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय, बक्सर के स्नातकोत्तर इतिहास विभाग के तत्वावधान में विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 16 मार्च (सोमवार) को ओपन क्विज टेस्ट का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता महाविद्यालय परिसर स्थित कक्ष संख्याझ 07 में आयोजित होगी। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार इस प्रतियोगिता में कॉलेज के सभी संकायों के विभिन्न सेमेस्टर में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं भाग ले सकते हैं। आयोजित होने वाला यह क्विज टेस्ट वस्तुनिष्ठ (ऑब्जेक्टिव) लिखित परीक्षा के रूप में लिया जाएगा, जिसकी अवधि एक घंटा निर्धारित की गई है। परीक्षा का समय प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक रखा गया है। प्रतियोगिता का सिलेबस सामान्य ज्ञान पर आधारित होगा, जिसमें विभिन्न विषयों से जुड़े मूलभूत प्रश्न शामिल किए जाएंगे। आयोजकों का कहना है कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, सामान्य ज्ञान और तर्कशक्ति को विकसित करने में सहायक होती हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। महाविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस प्रकार के आयोजन से छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित होती है और उन्हें अपने ज्ञान को परखने का अवसर मिलता है। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ.) कृष्णा कान्त सिंह ने इस अवसर पर कहा कि शैक्षणिक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करती हैं। उन्होंने महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं से इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने का आह्वान किया। इस क्विज प्रतियोगिता के सफल आयोजन में स्नातकोत्तर इतिहास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में सहायक प्राध्यापक डॉ. विरेन्द्र कुमार तथा डॉ. नवीन शंकर पाठक द्वारा प्रतियोगिता से संबंधित तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया है। साथ ही विभाग के शिक्षकों ने अपने-अपने छात्रों से इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है, ताकि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

डीएसपी का दावारू गिरोह के अन्य सदस्य चिन्हित, गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी

ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी करने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़ तीन लोग गिरफ्तार, एसडीपीओ ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

लगातार हो रही चोरी से परेशान किसानों को राहत, सिंचाई प्रभावित होने से बढ़ी थी चिंता

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव व कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में कृषि ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी कर किसानों की परेशानी बढ़ाने वाले एक संगठित गिरोह का पुलिस ने पदार्फाश किया है। मंगलवार की रात सुरौंधा गांव के बधार में की गई कार्रवाई में पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से ट्रांसफार्मर का तेल, ई-रिक्शा, अपाचे बाइक, मोबाइल फोन और ट्रांसफार्मर खोलने के उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार यह गिरोह रात के अंधेरे में खेतों में लगे कृषि ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाकर उनसे तेल निकाल लेता था और बाद में उसे चोर बाजार में बेच देता था। लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं से किसानों को सिंचाई में भारी परेशानी हो रही थी, वहीं बिजली विभाग की भी चिंता बढ़ गई थी।

वारंटी की तलाश में गई पुलिस को मिली बड़ी सफलता

मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव थाने की पुलिस मंगलवार की रात सुरौंधा गांव में एक वारंटी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने गई थी। इसी दौरान गांव के बाहर बधार की ओर रोशनी दिखाई देने पर पुलिस को संदेह हुआ। जब पुलिस टीम वहां पहुंची तो ट्रांसफार्मर के पास कुछ लोग संदिग्ध गतिविधि करते दिखाई दिए। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद लोग भागने लगे। हालांकि पुलिसकर्मियों ने दौड़ाकर एक युवक को पकड़ लिया, जबकि अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पकड़े गए युवक से पूछताछ के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

मौके से बरामद हुआ तेल और वाहन

पुलिस ने तलाशी के दौरान घटनास्थल से एक ई-रिक्शा (बीआर 44 ईआर 4450) और एक अपाचे बाइक (बीआर 44 एम 2450) बरामद की। साथ ही लगभग ढाई लीटर ट्रांसफार्मर का तेल भी जब्त किया गया। आरोपितों के भागने के दौरान करीब 100 लीटर तेल जमीन पर गिरा हुआ पाया गया।

पकड़े गए युवक की पहचान कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरियांव गांव निवासी रामाधार यादव के पुत्र संतोष कुमार उर्फ टुनटुन यादव के रूप में हुई है।

निशानदेही पर दो और आरोपी गिरफ्तार

संतोष यादव से सख्ती से पूछताछ करने पर उसने स्वीकार किया कि उसका गिरोह ग्रामीण फीडर के ट्रांसफार्मरों से तेल चुरा उसे बेचता था। संतोष ने गिरोह के सदस्यों के साथ ही जिस दुकानदार को तेल बेचा जाता था उसका नाम भी बताया। गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी मिलने पर पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शहर के लालगंज कड़वी मोहल्ला से पंकज यादव पिता रामजी यादव को तथा अरियांव गांव में अवैध तरीके से डीजल का व्यवसाय करने वाले चुन्नू साह पिता स्व. खेमराज साह को गिरफ्तार कर लिया। तीनों अरियांव गांव के ही निवासी है। एसडीपीओ ने बताया कि इनके पास से ट्रांसफार्मर खोलने की विशेष चाभी, रिंच और अन्य उपकरण भी बरामद किए गए हैं, जिनकी मदद से यह लोग ट्रांसफार्मर खोलकर तेल निकालते थे।

कई थाना क्षेत्रों में फैला था गिरोह का नेटवर्क

बुधवार की शाम आयोजित प्रेस वार्ता में एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि वे ब्रह्मपुर, कृष्णाब्रह्म और डुमरांव थाना क्षेत्र के कई गांवों के बधारों में लगे कृषि ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाते थे। उन्होंने बताया कि यह एक संगठित गिरोह है, जो योजनाबद्ध तरीके से रात में खेतों में पहुंचकर ट्रांसफार्मर का तेल निकाल लेता था। चोरी किए गए तेल को बाद में चोर बाजार में बेच दिया जाता था।

गिरोह के अन्य सदस्य चिन्हित, जल्द होगी गिरफ्तारी

एसडीपीओ ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान भी कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे गिरोह का खुलासा कर दिया जाएगा।

हाल के दिनों में बढ़ गई थीं चोरी की घटनाएं

गौरतलब है कि हाल के दिनों में डुमरांव और कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी की घटनाएं सामने आई थीं। इससे किसानों के साथ-साथ बिजली विभाग की भी चिंता बढ़ गई थी। वर्तमान समय में गेहूं की फसल में बालियां निकलने लगी हैं और बेहतर उत्पादन के लिए सिंचाई बेहद जरूरी है। ऐसे समय में ट्रांसफार्मर से तेल चोरी होने के कारण कई जगहों पर सिंचाई कार्य बाधित हो रहा था, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई थी। गिरोह का उद्भेदन होने से बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ ही किसानों ने भी राहत की सांस ली है।

कार्रवाई से किसानों को मिली राहत

पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके के किसानों ने राहत की सांस ली है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते गिरोह का पदार्फाश नहीं होता तो सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो सकती थी।

इस मामले में अवर निरीक्षक रविशंकर पांडेय के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। ट्रांसफार्मर चोर गिरोह के उद्भेदन के लिए की गई छापेमारी का नेतृत्व एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने किया, उनके साथ डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, डुमरांव थाने के एसआई रविशंकर पांडेय, एएसआई विपीन कुमार समेत सशस्त्र बल शामिल थे।

काजीपुर में इफ्तार से गूंजा भाईचारे का संदेश रोजेदारों के साथ सैकड़ों लोग हुए शामिल

केटी न्यूज/सिमरी

रमजान के पाक महीने में सिमरी प्रखंड के काजीपुर गांव में आयोजित दावत-ए-इफ्तार ने सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का अनोखा उदाहरण पेश किया। बुधवार को केजीएन कॉम्पलेक्स के समीप इश्क-ए-मोहम्मदिया कमेटी की ओर से लगातार चौथे वर्ष भव्य इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें रोजेदारों के साथ विभिन्न समुदायों के सैकड़ों लोग शामिल हुए। शाम होते-होते इफ्तार स्थल लोगों से गुलजार हो उठा।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में आपसी प्रेम, एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करना रहा। इफ्तार से पहले लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर भाईचारे का संदेश दिया। नमाज-ए-मगरीब की अजान के साथ ही रोजेदारों ने खजूर और अन्य व्यंजनों से रोजा खोला। इसके बाद सभी ने एक साथ बैठकर इफ्तार का लुत्फ उठाया।

जामा मस्जिद के इमाम ने कहा कि रमजान आत्मसंयम, इबादत और इंसानियत की सेवा का महीना है। रोजेदारों की दुआएं कबूल होती हैं और लोगों को भलाई के कार्यों में आगे आना चाहिए। वहीं पूर्व मुखिया काजी उजैर आलम और मुखिया इम्तियाज अंसारी ने युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता और सौहार्द को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम की सफलता में गांव के युवाओं, बुजुर्गों और ग्रामीणों का अहम योगदान रहा।

कर्मनाशा पुल पर दबोचा गया अर्जुन यादव हत्याकांड का अंतिम आरोपी

गुजरात में छिपकर बैठा था सहयोगी, यूपी से बक्सर आते ही एसआईटी ने किया गिरफ्तार, पहले ही नौ आरोपी जा चुके हैं जेल

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा पावर प्लांट के समीप पिछले वर्ष हुए चर्चित अर्जुन यादव हत्याकांड में फरार चल रहे अंतिम आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे उस समय दबोचा जब वह उत्तर प्रदेश से कर्मनाशा पुल के रास्ते बक्सर जिले में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। इस गिरफ्तारी के साथ ही इस हत्याकांड के सभी आरोपियों तक पहुंचने का दावा पुलिस ने किया है।

बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) गौरव पांडेय ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 26 मई को चौसा पावर प्लांट के समीप अज्ञात अपराधियों ने अखौरीपुर गोला निवासी राजद नेता अर्जुन यादव को गोली मार दी थी। गंभीर रूप से घायल अर्जुन यादव को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद बक्सर मुफस्सिल थाना में कांड संख्या 232/25 दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। एसआईटी ने तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पहले ही इस मामले में नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हालांकि, मुख्य शूटर निखिल यादव का सहयोगी दिनेश यादव लगातार फरार चल रहा था।

पुलिस की दबिश बढ़ने के बाद वह गुजरात भागकर वहां छिपकर रह रहा था। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि दिनेश यादव गुजरात से लौटकर उत्तर प्रदेश के रास्ते बक्सर आने वाला है। सूचना मिलते ही एसआईटी टीम ने कर्मनाशा पुल के पास घेराबंदी कर दी। मंगलवार की रात जैसे ही वह यूपी की ओर से बक्सर में प्रवेश करने लगा, पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिनेश यादव, पिता रामाश्रय यादव, निवासी इमामुद्दीनपुर, तहसील कासिमाबाद, जिला गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान उसने मुख्य शूटर के सहयोगी के रूप में अपनी भूमिका स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। मुफस्सिल थाना के अलावा इटाढ़ी थाना में भी उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ कर घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। इस कार्रवाई में डीआईयू प्रभारी सुधीर कुमार, मुफस्सिल थाना के अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार, डीआईयू के पुलिस अवर निरीक्षक चंदन कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस का दावा है कि इस गिरफ्तारी के साथ ही अर्जुन यादव हत्याकांड के सभी आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित हो गई है।

होली बाद महानगरों की ओर लौटने की होड़, डुमरांव स्टेशन पर उमड़ी यात्रियों की भारी भीड़

- **लंबी दूरी की ट्रेनों में सीट के लिए जद्दोजहद, कई ट्रेनों में नो रूम की स्थिति**
- **कन्फर्म टिकट न मिलने पर जनरल डिब्बों में ठसाठस भीड़, खड़े होकर सफर करने को मजबूर यात्री**

केटी न्यूज/डुमरांव

होली पर्व समाप्त होते ही रोजगार, व्यवसाय और पढ़ाई के लिए महानगरों की ओर लौटने वाले लोगों की संख्या अचानक बढ़ गई है। इसका सीधा असर डुमरांव रेलवे स्टेशन पर देखने को मिल रहा है, जहां सुबह से देर रात तक यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों का इंतजार कर रहे यात्रियों की लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और ट्रेन आते ही सीट पाने के लिए लोगों में होड़ मच जा रही है।

होली मनाने के लिए घर आए बड़ी संख्या में लोग अब वापस अपने कार्यस्थल और शिक्षण संस्थानों की ओर लौट रहे हैं। इसके चलते डुमरांव स्टेशन से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक भीड़ देखी जा रही है। दिल्ली, मुंबई, पंजाब, कोटा, टाटानगर और कोलकाता जैसे शहरों की ओर जाने वाली ट्रेनों में अगले कई दिनों तक सीटें लगभग फुल हो चुकी हैं। रेलवे की ऑनलाइन आरक्षण साइटों पर अधिकांश ट्रेनों में ह्यनो रूमह्व या लंबी वेटिंग लिस्ट दिखाई दे रही है।

ट्रेनों में बढ़ती भीड़ के कारण यात्रियों को सीट पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। कई यात्री कंफर्म टिकट नहीं मिलने के कारण जनरल टिकट लेकर ही यात्रा करने को मजबूर हैं। जनरल डिब्बों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है, जहां यात्रियों की संख्या क्षमता से कई गुना अधिक हो रही है। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही यात्री दरवाजों की ओर दौड़ पड़ते हैं, जिससे कई बार धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है।

जनरल बोगियों में हालात ऐसे हो गए हैं कि कई यात्रियों को दरवाजे के पास खड़े होकर ही लंबी दूरी का सफर तय करना पड़ रहा है। कुछ यात्रियों को पूरी यात्रा खड़े-खड़े ही करनी पड़ रही है। भीड़ के कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने में भी कठिनाई होती है।

नंदन गांव के यात्री मनीष कुमार और रवीश प्रसाद ने बताया कि वे दिल्ली और मुंबई में काम करते हैं और होली मनाने के लिए अपने गांव आए थे। अब काम पर लौटना जरूरी है, लेकिन ट्रेनों में सीट नहीं मिलने के कारण काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि टिकट कन्फर्म नहीं होने के कारण उन्हें जनरल डिब्बे में यात्रा करनी पड़ रही है।

उधर, टिकट काउंटरों पर भी यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। कई लोग घंटों लाइन में खड़े होकर टिकट लेने का प्रयास कर रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि उन्होंने पहले से टिकट बुक कराने की कोशिश की थी, लेकिन वेटिंग बहुत ज्यादा होने के कारण टिकट कन्फर्म नहीं हो पाया। ऐसे में अब उनके पास जनरल टिकट लेकर यात्रा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि होली के बाद हर वर्ष महानगरों की ओर लौटने वाले यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है, लेकिन इस बार भीड़ पहले की तुलना में अधिक दिखाई दे रही है। आने वाले कुछ दिनों तक ट्रेनों में इसी तरह की भीड़ बनी रहने की संभावना जताई जा रही है।

जदयू के नए जिलाध्यक्ष बने राजकुमार शर्मा, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

केटी न्यूज/बक्सर

जनता दल (यू) के संगठनात्मक चुनाव के तहत बुधवार को बक्सर जिले को नया जिलाध्यक्ष मिल गया। ब्रह्मपुर निवासी और लंबे समय से पार्टी से जुड़े वरिष्ठ कार्यकर्ता राजकुमार शर्मा को जदयू का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बिहार प्रदेश जदयू के संगठनात्मक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत प्रदेश कार्यालय पटना से राज्य निर्वाचन पदाधिकारी अशोक कुमार द्वारा 25 जिलों के जिलाध्यक्षों की सूची जारी की गई, जिसमें बक्सर का नाम भी शामिल है। राजकुमार शर्मा को जिलाध्यक्ष बनाए जाने की खबर सामने आते ही जिले के जदयू कार्यकताओं में खुशी का माहौल देखा गया। पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती मिलेगी और

कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पार्टी को आगे बढ़ाने का काम किया जाएगा। राजकुमार शर्मा लंबे समय से पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं और जमीनी स्तर पर कार्यकताओं के बीच उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। पार्टी से जुड़े लोगों का कहना है कि वे एक सरल और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी हैं तथा संगठन को मजबूत करने की दिशा में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। डुमरांव विधायक राहुल सिंह ने राजकुमार शर्मा को जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उनके अनुभव और कार्यशैली से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी कार्यकताओं को साथ लेकर वे पार्टी को और मजबूत बनाने का काम करेंगे। वहीं पूर्व मंत्री सह राजपुर विधायक संतोष निराला ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राजकुमार शर्मा के नेतृत्व में जदयू संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा पार्टी की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने में तेजी आएगी। जिले के जदयू कार्यकताओं ने भी नए जिलाध्यक्ष के मनोनयन पर प्रसन्नता जताते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि संगठनात्मक मजबूती और कार्यकताओं के सम्मान को प्राथमिकता देते हुए पार्टी को नई दिशा मिलेगी।

किशनगंज में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, 118.85 लाख रुपये का जुर्माना

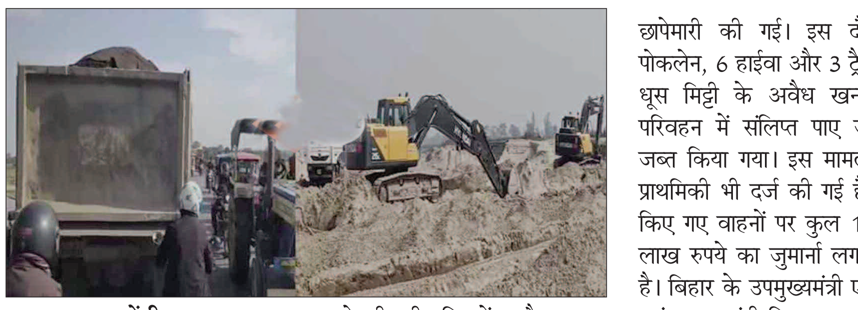

एजेंसी। पटना

बिहार में अवैध खनन के खिलाफ अभियान के तहत किशनगंज जिले में बड़ी कार्रवाई की गई है। गुप्त सूचना के आधार पर खान एवं भूतत्व विभाग की टीम ने जिला प्रशासन के सहयोग से सघन छापेमारी की, जिसमें अवैध खनन और परिवहन में लगे कई वाहन जब्त किए गए। मिली जानकारी के अनुसार 28 फरवरी 2026 को तड़के करीब 3 बजे कोचाधामन प्रखंड के महानंदा नदी क्षेत्र तथा किशनगंज प्रखंड के बेलवा मौजा में छापेमारी की गई। इस दौरान 4 पोकलेन, 6 हाईवा और 3 ट्रैक्टर को धूस मिट्टी के अवैध खनन और परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर जब्त किया गया। इस मामले में दो प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। जब्त किए गए वाहनों पर कुल 118.85 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा के कुशल प्रबंधन एवं नियमित अनुश्रवण के फलस्वरूप खान एवं भूतत्व विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य 3850.00 करोड़ रुपए के विरुद्ध माह फरवरी तक 2711.80 करोड़ रुपये (70.12 प्रतिशत) का राजस्व प्राप्त किया गया है, जो गत वित्तीय वर्ष में फरवरी 2025 तक प्राप्त समाहरण की तुलना में 106.00 करोड़ रू0 अधिक है। विभाग राजस्व लक्ष्य की शत प्रतिशत प्राप्ति के लिए दृढ संकल्पित है। अप्रैल, 2025 से फरवरी, 2026 तक अवैध खनन एवं परिवहन के विरूद्ध राज्य में 45,498 छापेमारी, 2464 प्राथमिकी, 652 गिरफ्तारी एवं 5458 वाहनों की जब्त कर 72.48 करोड़ रू0 की वसूली की गयी है। माह अक्टूबर, 2024 में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरूद्ध नियमावली में कड़े दण्डात्मक प्रावधान किये गये है, जिसके कारण अवैध खनन एवं ओभर लोडिंग में अत्याधिक कमी आयी है। किशनगंज जिले में अवैध खनन की गुप्त सूचना प्राप्त होने पर विभागीय जाँच दल द्वारा जिला प्रशासन किशनगंज के सहयोग से दिनांक - 28.02.2026 को तडके 03:00 बजे से कोचा धामन प्रखण्ड अन्तर्गत महानन्दा नदी तथा किशनगंज प्रखंड अन्तर्गत बेलवा मौजा अन्तर्गत विभिन्न स्थलों पर छापेमारी किया गया। छापेमारी में 04 पोकलेन, 06 हाईवा, 03 ट्रैक्टर को धूस मिट्टी का अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त होने के कारण जप्त कर कुल - 02 प्राथमिकी दर्ज किया गया। जप्त किये गये वाहनों के विरूद्ध कुल - 118.85 लाख रू0 का दंड अधिरोपित किया गया है। विभागीय जाँच दल द्वारा किशनगंज जिलान्तर्गत अनुमोदित जिला सर्वेक्षण प्रतिवेदन (ऊफ) में सृजित एवं संचालित कुल - 04 उजले बालू घाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में 02 बालूघाट में एउ क्षेत्र से बाहर खनन करने एवं प्रकाश की समुचित व्यवस्था नहीं पाये जाने पर संबंधित बालूघाट के बंदोबस्तधारी पर कुल - 25.81 लाख रू0 का दंड अधिरोपित किया गया।

वैकल्पिक मार्ग से मिलेगी राहत, बसों और भारी वाहनों के लिए विशेष निर्देश

समृद्धि यात्रा से पहले पूर्णिया में ट्रैफिक अलर्ट, कई सड़कें बंद, पुलिस ने जारी किया नया रूट प्लान

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री की प्रस्तावित समृद्धि यात्रा को लेकर पूर्णिया जिला प्रशासन और यातायात पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। 12 मार्च को मुख्यमंत्री के पूर्णिया आगमन को देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं। जिला पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शहर के मुख्य प्रवेश द्वारों से लेकर आंतरिक गलियों तक सुबह 05:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक विशेष ट्रैफिक प्लान लागू रहेगा। प्रशासन ने सुरक्षा और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए रामबाग और लाइन बाजार जैसे व्यस्त इलाकों को नो-गो जोन घोषित किया है। रामबाग क्षेत्र में कसबा से पंचमुखी मंदिर (वाया रामबाग और भूतनाथ मंदिर) की ओर जाने वाले स्टेट हाईवे पर सभी

प्रकार के वाहनों का परिचालन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा होप हॉस्पिटल से रामबाग मार्ग और बिहार टॉकीज मोड़ से रामबाग की ओर जाने वाले वाहनों के प्रवेश पर भी रोक रहेगी।कनेक्टिंग रूट्स पर भी रहेगा प्रतिबंध जनता चौक से पासवान चौक और कप्तान पुल से फातिमा हॉस्पिटल होकर रामबाग जाने वाली सड़कों पर भी पुलिस की सख्त निगरानी रहेगी। इसके साथ ही पंचमुखी मंदिर से फोर्ड कंपनी चौक, थाना चौक से गिरजा चौक और लाइन बाजार से आर.एन. साह चौक मार्ग पर सामान्य वाहनों का आवागमन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। आम नागरिकों को असुविधा से बचाने के लिए पुलिस ने वैकल्पिक मार्ग भी तय किए हैं। थाना चौक से यदि किसी को भट्ठा बाजार या लाइन बाजार जाना है तो वह कला भवन रोड का उपयोग कर सकते हैं। मधुबनी मार्ग की ओर जाने वाले वाहन जनता चौक से कोर्ट स्टेशन रोड, पूर्णिया कॉलेज चौक और मधुबनी बाजार मार्ग से होकर शहर के अन्य हिस्सों में जा सकेंगे। आर.एन. साह चौक और थाना चौक के बीच यात्रा करने के लिए पॉलिटेक्निक चौक और रजनी चौक वाले मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है। बसों और भारी वाहनों के लिए भी विशेष ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई है। शहर के मुख्य हिस्सों में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। अररिया और कस्बा की ओर से आने वाली बसें जीरो माइल, बेलौरी और मरंगा मार्ग से होकर बस स्टैंड तक पहुंचेंगी। वहीं धमदाहा और बनमनखी की ओर से आने वाली बसें नवनिर्मित बाईपास यानी कोसी नर्सरी मार्ग का उपयोग करेंगी। कटिहार मोड़ से लाइन बाजार की ओर किसी भी प्रकार के भारी वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। धमदाहा और मरंगा की ओर से आने वाले लोगों के वाहनों के लिए कला भवन परिसर में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। मधुबनी क्षेत्र से आने वाले वाहनों को रंगभूमि मैदान के पास पार्क किया जाएगा। नेवालाल चौक और भट्ठा बाजार की ओर से आने वाले वाहनों के लिए जिला स्कूल परिसर में पार्किंग की सुविधा दी गई है। अति विशिष्ट अतिथियों के लिए इंदिरा गांधी स्टेडियम और मानस भारती स्कूल के पास वीआईपी पार्किंग की व्यवस्था की गई है। पूर्णिया पुलिस ने स्पष्ट किया है कि एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य आपातकालीन सेवाओं को इन प्रतिबंधों से मुक्त रखा गया है। पुलिस प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से प्रतिबंधित मार्गों पर जाने से बचें और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का सहयोग करें, ताकि समृद्धि यात्रा और मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

नशीले पदार्थों की तस्करी पर सख्त कार्रवाई के लिए बक्सर पुलिस की अपील, विशेष टीम का गठन

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से बक्सर पुलिस ने आमजनों से सहयोग की अपील की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि बिहार पुलिस मुख्यालय के निदेर्शानुसार जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्किंग फोर्स) नामक विशेष टीम का गठन किया गया है। जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह विशेष टीम पूरे बक्सर जिले में सतत निगरानी रखते हुए छापेमारी अभियान चलाएगी। टीम का मुख्य उद्देश्य चरस, गांजा, अफीम और हेरोइन जैसे नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध खरीद-बिक्री में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना है।

पुलिस का कहना है कि मादक पदार्थों का कारोबार समाज के लिए गंभीर खतरा है और इससे युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है, इसलिए इसे जड़ से समाप्त करना जरूरी है। बक्सर पुलिस ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास या उनकी जानकारी में कहीं भी चरस, गांजा, अफीम या हेरोइन जैसे मादक पदार्थों की अवैध खरीद-बिक्री या तस्करी की गतिविधि हो रही हो तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस ने आश्वस्त किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और प्राप्त सूचना पर विशेष टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाएगी। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए आम नागरिकों का सहयोग बेहद जरूरी है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे इस मुहिम में सक्रिय भागीदारी निभाएं और नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ सूचना देकर प्रशासन की मदद करें। नागरिकों की सुविधा के लिए पुलिस ने एक संपर्क नंबर भी जारी किया है, जिस पर मादक पदार्थों से संबंधित किसी भी तरह की जानकारी दी जा सकती है। इसके अलावा आपात स्थिति में लोग 112 नंबर पर भी संपर्क कर सकते हैं। बक्सर पुलिस कंट्रोल रूम के नंबर 06183-295039 और 9031826744 पर भी सूचना दी जा सकती है। पुलिस का कहना है कि जनता के सहयोग से ही जिले को नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

राज्य में घरेलू गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता, घबराने की जरूरत नहीं : विभाग

केटी न्यूज/पटना

राज्य में घरेलू गैस सिलेंडर की कमी को लेकर फैल रही आशंकाओं के बीच खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिहार में घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस सिलेंडर का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। विभाग ने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से गैस एजेंसियों के यहां भीड़ न लगाएं। विभाग की ओर से बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्तमान समय में घरेलू ईंधन संकट की स्थिति को देखते हुए पेट्रोलियम एजेंसियों से समन्वय कर यह सुनिश्चित किया गया है कि राज्य में घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुचारु रूप से बनी रहे। एजेंसियों ने भी यह स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त मात्रा में रसोई गैस उपलब्ध है और आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपभोक्ताओं की सुविधा तथा गैस वितरण व्यवस्था

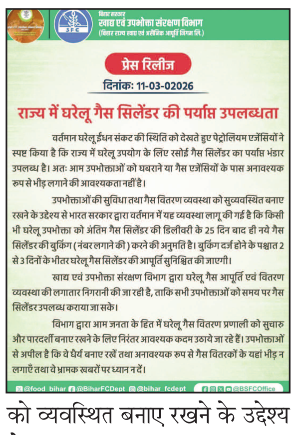

बिहार सरकार
खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग
(बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लि.)

प्रेस रिलीज

दिनांक: 11-03-02026

राज्य में घरेलू गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता

वर्तमान घरेलू ईंधन संकट की स्थिति को देखते हुए पेट्रोलियम एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि राज्य में घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस सिलेंडर का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। अतः आम उपभोक्ताओं को घबराने या गैस एजेंसियों के पास अनावश्यक रूप से भीड़ लगाने की आवश्यकता नहीं है।

उपभोक्ताओं की सुविधा तथा गैस वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा वर्तमान में यह व्यवस्था लागू की गई है कि किसी भी घरेलू उपभोक्ता को अंतिम गैस सिलेंडर की डिलीवरी के 25 दिन बाद ही नये गैस सिलेंडर की बुकिंग (नंबर लगाने की) करने की अनुमति है। बुकिंग दर्ज होने के पश्चात 2 से 3 दिनों के भीतर घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा घरेलू गैस आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था की लागातार निगरानी की जा रही है, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा सके।

विभाग द्वारा आम जनता के हित में घरेलू गैस वितरण प्रणाली को सुचारु और पारदर्शी बनाए रखने के लिए निरंतर आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं। उपभोक्ताओं से अपील है कि वे धैर्य बनाए रखें तथा अनावश्यक रूप से गैस वितरकों के यहां भीड़ न लगाएँ तथा वे भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें।

@food_bihar @BiharFCDept @bihar_fcdept @BSFCOffice

को व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा एक व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत किसी भी घरेलू उपभोक्ता को अंतिम गैस सिलेंडर की डिलीवरी के 25 दिन बाद ही नए सिलेंडर की बुकिंग (नंबर लगाने) की अनुमति होगी। यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा सके और वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। विभाग ने यह भी जानकारी दी है कि उपभोक्ताओं द्वारा बुकिंग दर्ज कराने के बाद दो से तीन दिनों के भीतर घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इससे लोगों को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध हो सकेगा और किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अनुसार घरेलू गैस की आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि राज्य के सभी उपभोक्ताओं को समय पर रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध हो और कहीं भी आपूर्ति में बाधा उत्पन्न न हो। विभाग ने आम जनता से अपील करते हुए कहा है कि वे धैर्य बनाए रखें, अफवाहों से दूर रहें तथा गैस वितरकों के यहां अनावश्यक भीड़ न लगाएं। विभाग का कहना है कि घरेलू गैस वितरण प्रणाली को और अधिक सुचारु एवं पारदर्शी बनाने के लिए लगातार आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे सभी उपभोक्ताओं को समय पर सुविधा मिल सके।

बिहार में उड़ान की नई शुरुआत! वाल्मीकिनगर में तैयार हो जाएगा एक और हवाई अड्डा

एजेंसी। पटना

बिहार में हवाई सेवा को और अधिक विकसित करने की दिशा में अगले साल यानी 2027 तक एक और हवाई अड्डा तैयार हो जाएगा। इसके लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (अअक) ने टेंडर निकाल दिया है। यह हवाई अड्डा भारत-नेपाल सीमा पर स्थित पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर में बनाया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि प्रोजेक्ट शुरू होने के 11 महीने के भीतर इसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाए। एयरपोर्ट निर्माण के लिए एएआई ने लगभग 38.64 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। इसमें टर्मिनल बिल्डिंग, फायर स्टेशन, एटीसी टावर और अन्य बुनियादी ढांचा शामिल है। हालांकि, वाल्मीकिनगर में पहले से ही हवाई

अड्डा मौजूद है, लेकिन वर्तमान में यह चालू स्थिति में नहीं है। अब सरकार इस एयरपोर्ट को चालू करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है ताकि छोटे विमान परिचालन शुरू किया जा सके। वाल्मीकिनगर एयरपोर्ट को कोड-2 बी विमान संचालन के लिए विकसित किया जा रहा है। इसका मतलब है कि यहां से 19 सीटर छोटे विमान उड़ान भर सकेंगे। इससे टाइगर रिजर्व और चंपारण क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही उत्तर बिहार के यात्रियों को देश के विभिन्न हिस्सों में सीधी उड़ान का विकल्प मिलेगा। नेपाल सीमा के पास होने के कारण पड़ोसी देश के सीमावर्ती लोग भी इस हवाई अड्डे का इस्तेमाल कर सकेंगे। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य वाल्मीकिनगर हवाई अड्डे को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करना और क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत बनाना है। वाल्मीकिनगर हवाई अड्डे के विस्तार की प्रक्रिया भी जारी है। एएआई ने पिछले साल स्थानीय प्रशासन को इसका प्रस्ताव दिया था। इसके बाद बगहा-2 अंचल के सीओ वसीम अकरम ने क्षेत्र का मुआयना किया और 12 एकड़ जमीन का चयन किया। हालांकि, जमीन अधिग्रहण में कुछ व्यावहारिक समस्याएं सामने आई हैं। इन्हें जल्द हल करने की कोशिश की जा रही है। पिछले महीने एसडीएम चांदनी कुमारी ने क्षेत्र का दौरा कर भूमि अधिग्रहण में आने वाली अड़चनों को दूर करने के दिशा-निर्देश दिए। सूत्रों के अनुसार, वाल्मीकिनगर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए सशस्त्र सीमा बल (इरत्र) के ठाढ़ी बीओपी को दूसरी जगह शिफ्ट किया जा सकता है। इससे हवाई अड्डे के रनवे और अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण आसानी से किया जा सकेगा। वर्तमान में बिहार में पटना, गया, दरभंगा और पूर्णिया में हवाई अड्डा हैं। राज्य सरकार अब 10 से ज्यादा शहरों में छोटे एयरपोर्ट चालू करने की योजना पर काम कर रही है। इनमें मुजफ्फरपुर, भागलपुर, वीरपुर और वाल्मीकिनगर शामिल हैं। पुराने एयरपोर्ट को पुनर्विकसित कर वहां से छोटे 19 सीटर विमान चलाने की योजना है। ये सभी हवाई अड्डे यूडीएएन योजना के तहत विकसित किए जा रहे हैं।

मध्य-पूर्व में युद्ध की आशंका के बीच बिहार में गैस-पेट्रोल आपूर्ति पर सतर्कता बढ़ाने का निर्देश

केटी न्यूज/पटना

मध्य-पूर्व क्षेत्र में चल रहे युद्ध और बढ़ते तनाव के कारण एलपीजी गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए बिहार पुलिस मुख्यालय ने राज्य के सभी जिलों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। इस संबंध में बिहार पुलिस मुख्यालय के विशेष शाखा, आसूचना एवं सुरक्षा प्रभाग की ओर से पत्र जारी कर सभी जिलाधिकारियों और वरीय पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है।

जारी निर्देश में कहा गया है कि वर्तमान समय में मध्य-पूर्व क्षेत्र में युद्ध और तनावपूर्ण स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैस तथा पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति प्रभावित होने की संभावना बनी हुई है। ऐसे में राज्य में भी रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। इस स्थिति को देखते हुए प्रशासन को पहले से ही सतर्क रहने की आवश्यकता बताई गई है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका के कारण गैस एजेंसियों, विक्रेताओं और पेट्रोल पंपों पर आम लोगों की भीड़ बढ़ सकती है। इससे कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने की संभावना है। इसके अलावा कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा गैस सिलेंडर अथवा पेट्रोलियम पदार्थों की जमाखोरी और कालाबाजारी किए जाने की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

इसी को ध्यान में रखते हुए सभी जिलों के प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में गैस एजेंसियों, विक्रेताओं और पेट्रोल पंपों के आसपास नियमित निगरानी रखें तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले तत्वों पर विशेष नजर रखते हुए उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने को कहा गया है।

पुलिस मुख्यालय ने यह भी निर्देश दिया है कि जिला प्रशासन आपूर्ति विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर स्थिति पर लगातार नजर रखे और आवश्यकता पड़ने पर आम जनता को वास्तविक स्थिति से अवगत कराए। इसका उद्देश्य यह है कि किसी प्रकार की अफवाह न फैले और लोगों में अनावश्यक भय या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो।

एक नजर

बाढ़ में शराब माफिया के घर छापेमारी, छत से गिरकर दारोगा गंभीर रूप से हुआ घायल

पटना। पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत भदौर थाना क्षेत्र में बीती देर रात पुलिस की टीम एक शराब माफिया को गिरफ्तार करने के लिए भदौर गांव में छापेमारी करने पहुंची। पुलिस टीम ने आरोपी के घर का दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद पुलिस जुगाड़ से घर की छत पर चढ़कर आरोपी की तलाश करने लगी।इसी दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी वहां से फरार हो गया। आरोपी की तलाश के दौरान छत पर मौजूद सहायक अवर निरीक्षक (अरक) संजय कुमार का पैर फिसल गया और वह छत के छज्जे से नीचे गिर पड़े, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस टीम ने तुरंत छापेमारी की कार्रवाई रोक दी और घायल अरक संजय कुमार को इलाज के लिए बाढ़ अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार उनके बाएं पैर और कमर में चोट लगी है। एक्स-रे कराने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर करने की तैयारी की जा रही है। सहरसा में दंपति की संदिग्ध मौतः पत्नी की हत्या के बाद पति ने किया सुसाइड, इलाके में सनसनी11सहरसा में उस वक्त सनसनी मच गयी जब एक घर से दो शव बरामद हुआ। दोनों रिश्ते में पति-पत्नी थे। घटना बनगांव नगर पंचायत के वार्ड संख्या 17 की है। जहां दंपति की मौत का मामला सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। सूचना मिलते ही मौके पर एफएसएल की टीम के साथ पहुंची पुलिस ने मामले की तहकीकात शुरू की। दोनों मृत दंपति की पहचान बनगांव थाना क्षेत्र नगर पंचायत वार्ड नंबर 17 निवासी 40 वर्षीय रमण खां और उनकी पत्नी 38 वर्षीय सोनी देवी के रूप में हुई है। मृतक रमन खां दिल्ली में मजदूरी किया करता था, जबकि उनकी पत्नी हाउस वाइफ थी। वो अपने पीछे तीन बच्चों को छोड़कर गये हैं। जिसमें दो बेटी और एक बेटा शामिल है।

सड़क पर चलते वाहनों से पार्किंग शुल्क वसूली बंद, नगर निकायों को सरकार का निर्देश

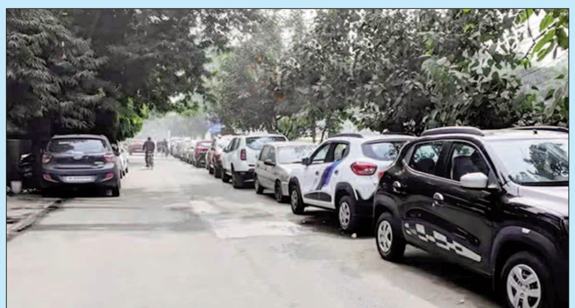

पटना। बिहार के शहरों में लंबे समय से पार्किंग के नाम पर होने वाली अवैध वसूली पर अब सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है। सड़कों पर चलते वाहनों को रोककर जबरन पार्किंग पर्ची थमाने और मनमाने तरीके से शुल्क वसूलने वाले ठेकेदारों के खिलाफ राज्य सरकार ने कार्रवाई का संकेत दे दिया है। उपमुख्यमंत्री सह नगर विकास एवं आवास मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के सभी नगर निकायों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उपमुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि सड़क पर चलते वाहनों को रोककर पार्किंग शुल्क लेना पूरी तरह गैर-कानूनी है। उन्होंने इसे न सिर्फ अवैध बल्कि अमानवीय करार दिया है। सरकार को पिछले कुछ समय से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कई शहरों में बिना किसी निर्धारित पार्किंग स्थल के भी वाहन चालकों से जबरन पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। कई जगहों पर ठेकेदार सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों से भी मनमाने तरीके से पैसे वसूल रहे हैं। नगर विकास एवं आवास विभाग के मुताबिक, कई शहरों में पार्किंग शुल्क की दरों की सूची भी प्रदर्शित नहीं की जाती। इससे वाहन चालकों को यह पता ही नहीं चलता कि उन्हें कितना शुल्क देना है। इस स्थिति का फायदा उठाकर ठेकेदार और कर्मी वाहन चालकों से मनमाने तरीके से अधिक पैसे वसूल लेते हैं। इस तरह की शिकायतों को देखते हुए सरकार ने अब सख्ती बरतने का फैसला किया है। सरकार ने सभी नगर आयुक्तों और नगर कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि नगर निकाय क्षेत्रों में केवल चिन्हित और स्वीकृत पार्किंग स्थलों पर ही पार्किंग शुल्क लिया जाए। किसी भी अनधिकृत जगह पर पार्किंग के नाम पर पैसे वसूलने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही यह भी अनिवार्य किया गया है कि हर पार्किंग स्थल पर शुल्क की दर तालिका स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए, ताकि वाहन चालकों को पहले से ही तय दरों की जानकारी मिल सके। सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि सड़क पर चलते वाहनों को रोककर या अस्थायी रूप से खड़ी गाड़ियों से पार्किंग शुल्क लेना पूरी तरह अवैध माना जाएगा। यदि किसी नगर निकाय क्षेत्र में इस तरह की शिकायत सामने आती है, तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निकायों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि पार्किंग व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुसार संचालित हो। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने विशेष रूप से शव वाहनों से पार्किंग शुल्क वसूले जाने की घटनाओं पर भी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि शोक के समय किसी परिवार से पार्किंग शुल्क लेना न केवल नियमों के खिलाफ है बल्कि पूरी तरह अमानवीय भी है। ऐसे मामलों पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया गया है और नगर निकायों को इस आदेश का सख्ती से पालन कराने को कहा गया है। सरकार का मानना है कि इस कदम से शहरों में पार्किंग व्यवस्था अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनेगी तथा वाहन चालकों को अनावश्यक परेशानी से राहत मिलेगी। वहीं, पार्किंग व्यवस्था में मनमानी और भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगेगा। इधर, राज्य में चल रहे विशेष सर्वेक्षण और बंदोबस्त कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। इसको लेकर 13 मार्च को राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना में दोपहर दो बजे एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा करेंगे, जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारी सर्वेक्षण कार्य की प्रगति और आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

सम्राट चौधरी ने किया एलान : कोसी वासियों के लिए खुशखबरी, सुपौल में 15 महीनों में तैयार होगा एयरपोर्ट

एजेंसी। पटना

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने सुपौल जिले के बीरपुर में हवाई सेवा शुरू करने को लेकर बड़ा एलान किया है। उन्होंने बताया कि एनडीए सरकार ने बीरपुर हवाई अड्डे के विकास और उन्नयन के लिए 36.38 करोड़ रुपये की परियोजना का टेंडर जारी कर दिया है। डिप्टी सीएम ने कहा कि इस परियोजना के तहत एयरपोर्ट का निर्माण और उन्नयन कार्य 15 महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। एयरपोर्ट को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सतत प्रयासों से यह परियोजना साकार हो रही है। एयरपोर्ट में आधुनिक टर्मिनल भवन, एटीसी टावर, फायर स्टेशन सहित कई अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि बीरपुर में हवाई सेवा शुरू होने से सुपौल सहित सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और व्यापार तथा पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। 20 जनवरी 2025 को सीएम नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा वीरपुर हवाई अड्डा को उड़ान योजना के तहत विकसित करने की घोषणा की थी। इसके बाद 07 फरवरी को राज्य कैबिनेट की बैठक में वीरपुर हवाई अड्डा विस्तार के लिए सरकार 88.83 एकड़ जमीन अर्जित करने को स्वीकृति दी गई। वही इसके लिए राज्य सरकार द्वारा 42 करोड़ 37 लाख 79 हजार रुपये जारी किए थे।

सीएम ने प्रगति यात्रा के दौरान 20 जनवरी को की थी घोषणा

20 जनवरी 2025 को सीएम नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा वीरपुर हवाई अड्डा को उड़ान योजना के तहत विकसित करने की घोषणा की थी। इसके बाद 07 फरवरी को राज्य कैबिनेट की बैठक में वीरपुर हवाई अड्डा विस्तार के लिए सरकार 88.83 एकड़ जमीन अर्जित करने को स्वीकृति दी गई। वही इसके लिए राज्य सरकार द्वारा 42 करोड़ 37 लाख 79 हजार रुपये जारी किए थे।

समृद्धि यात्रा के तहत अररिया पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिले को दी 545 करोड़ की सौगात

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के तीसरे चरण में सुपौल और मधेपुरा में 569 करोड़ की 129 योजनाओं का उद्घाटन किया। अगले पांच साल में बिहारवासियों का पलायन रोकने के लिए राज्य में उद्योग-धंधे स्थापित किए जाएंगे।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि अगले पांच वर्षों में किसी भी बिहारी को रोजगार की तलाश में दूसरे राज्य नहीं जाना पड़ेगा। इसके लिए राज्य सरकार ने व्यापक स्तर पर योजना तैयार की है, जिसमें बिहार के अंदर ही उद्योग-धंधों की स्थापना कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह बात समृद्धि यात्रा के तीसरे चरण की शुरूआत करते हुए सुपौल और मधेपुरा में जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरूआत सुपौल जिले के निर्मली प्रखंड स्थित निर्मली रिंग बांध के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण कर की। इसके बाद वे निर्मली अनुमंडल कार्यालय के सामने लगे विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन करने पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुल 569 करोड़ रुपये की लागत से 129 विकास योजनाओं का उद्घाटन और 84 योजनाओं का शिलान्यास किया। सुपौल के कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर द्वारा मधेपुरा पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस लाइन के प्रशासनिक और आवासीय भवनों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने 215.52 करोड़ रुपये की लागत से 158 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। मधेपुरा में कृषि, शिक्षा, जीविका और अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। इसके पश्चात वे सड़क मार्ग से बीएनएमयू नॉर्थ कैंपस मैदान में बने संवाद स्थल पर पहुंचे और वहां सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने पिछले 20 वर्षों में "सात निश्चय एक" और "सात निश्चय पार्ट दो" के तहत किए गए विकास कार्यों का ब्योरा दिया। समृद्धि यात्रा के तहत मुख्यमंत्री बुधवार को अररिया और किशनगंज के दौरे पर होंगे। सुबह 10.45 बजे वे अररिया पहुंचेंगे और 545.89 करोड़ रुपये की लागत से 68 योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा 330.60 करोड़ रुपये की छह योजनाओं का शिलान्यास भी मुख्यमंत्री के हाथों होगा, जिसमें तीन योजनाएं पथ निर्माण विभाग की हैं। साथ ही 157.16 करोड़ की लागत से 60 अन्य योजनाओं का उद्घाटन भी प्रस्तावित है।दोपहर करीब एक बजे मुख्यमंत्री किशनगंज के ठाकुरगंज पहुंचेंगे, जहां वे कृषि फार्म में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे और विकासात्मक तथा कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करेंगे। किशनगंज में मुख्यमंत्री 133 करोड़ रुपये की लागत से 73 योजनाओं का शिलान्यास और 102 करोड़ रुपये की लागत से 49 योजनाओं का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता को भरोसा दिलाया कि बिहार में रोजगार और उद्योग के अवसर बढ़ाने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। उनका यह दौरा राज्य के विकास को गति देने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोलेगा। इस समृद्धि यात्रा के जरिए मुख्यमंत्री यह संदेश दे रहे हैं कि बिहार में विकास योजनाओं और परियोजनाओं की निरंतर प्रगति के साथ राज्यवासियों को उनके अपने प्रदेश में ही बेहतर जीवन यापन के अवसर मिलेंगे, जिससे पलायन रोकने में मदद मिलेगी।

एक नजर

मोतिहारी में विवाहिता की संदिग्ध मौत, मायके वालों ने दहेज हत्या का लगाया आरोप

मोतिहारी । मोतिहारी के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान बबलू साहनी की 20 वर्षीय पत्नी निर्मला कुमारी के रूप में हुई है। परिजन दहेज हत्या का आरोप मृतका के ससुराल वालों पर लगा रहे हैं और पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस घटना से मायकेवालों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मायके वालों ने आरोप लगाया है कि ससुराल पक्ष ने दहेज की मांग पूरी न होने पर निर्मला को लगातार प्रताड़ित किया। निर्मला ने अपनी भाभी को फोन पर बताया था कि घर वाले उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। फोन बातचीत के दौरान ही संपर्क कट गया और इसके बाद निर्मला से कोई संपर्क नहीं हो सका।बताया गया कि शाम को परिजनों को फोन कर बताया गया कि निर्मला की तबीयत खराब है और वे जल्दी आ जाएं। जब मायके वाले वहां पहुंचे, तो घर पर कोई नहीं मिला। बाद में उन्हें पता चला कि शव अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा रहा है। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मुफ्फसिल थानाध्यक्ष ने बताया कि फिलहाल परिजनों की ओर से लिखित आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सासाराम-गया में रसोई गैस की किल्लत बढ़ी, कालाबाजारी पर एसडीएम की छापेमारी

ईरान और इजराइल के बीच चल रहे युद्ध का असर गैस और तेल की सप्लाई पर पड़ा है। पिछले कुछ दिनों से रसोई गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतों से लोग परेशान हैं। गैस के गोदाम और डिस्ट्रीब्यूटर्स सेंटर पर लोग सिलेंडर के साथ लंबी कतार में लगने को मजबूर हैं। वही इसका फायदा कुछ लोग कालाबाजारी कर उठा रहे हैं। सासाराम में घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी की सूचना मिलने के बाद नगर एसडीएम डॉ. नेहा कुमार ने अपनी टीम के साथ छापेमारी की। किराना दुकान में कालाबाजारी के लिए रखे गये 10 भरा हुआ सिलेंडर जब्त किया गया। वही दो लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। रिजवान आलम और कामरान आलम की गिरफ्तारी से कालाबाजारियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। ये दोनों किराना दुकान की आड़ में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी कर रहे थे। इस बात की गुप्त सूचना एसडीएम को जैसे ही मिली वह आपूर्ति विभाग के अधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच गयीं। छापेमारी के दौरान मौके से 10 भरा हुआ सिलेंडर बरामद किया गया वही दो धंधेबाजों को भी पकड़ा गया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। इस कार्रवाई से गैस सिलेंडर के अवैध धंधेबाजों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि गैस की किल्लत से देशभर के लोग परेशान हैं। बिहार में कई जिलों में गैस के लिए लोग लंबी कतारों में लगने को विवश है। कईयों का सिलेंडर खाली हो गया है। गैंस एजेंसी में नंबर भी नहीं लग रहा है। कई एजेंसियों ने गैस नहीं है का बोर्ड भी लगा दिया है। जिससे लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल है। हर कोई अब सिलेंडर की जुगाड़ में लगा हुआ है, जिसका फायदा कालाबाजारी करने वाले धंधेबाज उठा रहे है। ज्यादा पैसा देकर ये लोग सिलेंडर उपलब्ध करवा रहे हैं। जो लोग ज्यादा पैसा देने को तैयार नहीं हैं वो लंबी कतार में लग रहे हैं।

भागलपुर में गंगा स्नान के दौरान बड़ा हादसा : फुआ को बचाने के लिए नदी में कूदे 3 भतीजों की डूबने से मौत

एजेंसी। भागलपुर

भागलपुर के धोधा घाट पर गंगा स्नान के दौरान फुआ को बचाने के लिए नदी में कूदे तीन भतीजों की डूबने से मौत हो गई। महिला को सुरक्षित निकाल लिया गया, जबकि तीनों युवकों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। भागलपुर से दुखद खबर सामने आ रही है, जहां गंगा स्नान के दौरान फुआ को बचाने के दौरान 3 युवकों की डूबने से मौत हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना भागलपुर के धोधा घाट की है। फुआ के बचाने गये तीनों भतीजों की मौत से घर में मातम का माहौल है। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि एक महिला गंगा नदी में स्नान करने के लिए गयी। उसके साथ भाई के तीन बेटे भी गंगा स्नान करने के लिए गया हुआ है। फुआ जब स्नान कर रही थी, तभी वह गहरे पानी में चली गयी और डूबने लगी। तभी पास में नहा रहे तीनों भतीजों की नजर पानी में डूब रही फुआ पर जैसे ही गई, तीनों अपनी फुआ की जान बचाने के लिए एक-एक कर नदी में कूद पड़े। बुआ को बचाने के चक्कर में तीनों भतीजे की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि फुआ को स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। आनन-फानन में उन्हें पास के निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया। जहां महिला खतरे से बाहर है, वही तीनों भतीजे की मौत हो गयी है। तीनों युवकों की पहचान नया टोला ओलपुरा निवासी नंदलाल साह के 26 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार, शालीग्राम साह के 24 वर्षीय पुत्र सनी कुमार और 26 वर्षीय बॉबी कुमार के रूप में हुई है। तीनों युवकों की मौत फुआ की जान बचाने के दौरान हो गयी। गंगा की तेज धारा के कारण तीनों युवक गहरे पानी में समा गये और डूबने से तीनों की मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों युवकों के शव को गंगा नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक साथ घर के तीन सदस्यों की मौत से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है।

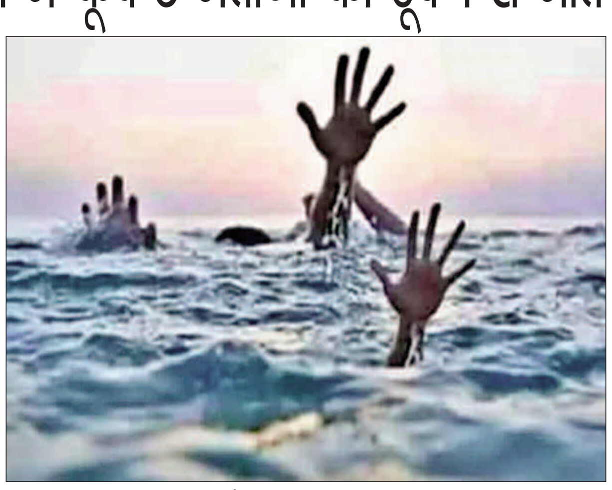

सरकारी आदेश न मानना पड़ा भारी!

बिहार में 45 शिक्षकों का कटेगा वेतन

एजेंसी। पटना

बिहार में इंटर और मैट्रिक उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन के दौरान 45 शिक्षकों की अनुपस्थिति ने हड़कंप मचा दिया है। जिला शिक्षा विभाग ने उनके स्पष्टीकरण को असंतोषजनक पाया है, जिसके बाद इन शिक्षकों के वेतन में कटौती करने का फैसला लिया गया है। जानकारी के अनुसार, इन शिक्षकों की ड्यूटी इंटर और मैट्रिक की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए लगाई गई थी, लेकिन वे निर्धारित तिथि पर अपने मूल्यांकन केंद्र पर मौजूद नहीं हुए। मूल्यांकन कार्य में अनुपस्थित रहने के बावजूद स्पष्टीकरण देने के बाद भी 45 शिक्षकों की परेशानी कम नहीं हुई है। जिला शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाया गया है, इसलिए उनके वेतन में कटौती की कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से चल रहे इंटर और मैट्रिक उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन कार्य के लिए भागलपुर जिले के गोराडीह प्रखंड के 45 शिक्षकों की ड्यूटी सीएमएस स्कूल स्थित मूल्यांकन केंद्र पर लगाई गई थी। इस संबंध में विभाग ने पहले ही ड्यूटी चार्ट जारी कर दिया था। लेकिन निर्धारित तिथि पर शिक्षक मूल्यांकन केंद्र पर उपस्थित नहीं हुए। यह मामला तब उजागर हुआ जब मूल्यांकन केंद्र के केंद्राधीक्षक ने अनुपस्थित शिक्षकों की सूची डीपीओ माध्यमिक शिक्षा कार्यालय को भेजी। इसके बाद विभाग ने सभी शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा। स्पष्टीकरण में अधिकांश शिक्षकों का कहना था कि उन्हें ड्यूटी से संबंधित पत्र प्राप्त ही नहीं हुआ था, इसलिए वे मूल्यांकन केंद्र पर योगदान नहीं दे सके। हालांकि, विभाग ने सभी स्पष्टीकरणों की समीक्षा की तो पाया कि ज्यादातर उत्तर लगभग एक जैसे थे। अधिकांश शिक्षकों ने लिखा कि उन्हें स्पष्टीकरण पत्र रात 11:24 बजे मिला और इसके बाद उन्होंने जवाब भेजा। विभागीय सूत्रों का कहना है कि मूल्यांकन से संबंधित पत्र विद्यालय परीक्षा समिति के पोर्टल पर भी उपलब्ध होते हैं, साथ ही जिला स्तर से इसे प्रधानाध्यापक तक भेजने की प्रक्रिया भी पूरी की जाती है। यह पूरी प्रक्रिया मूल्यांकन शुरू होने से एक सप्ताह पहले ही संपन्न कर दी जाती है। बावजूद इसके, शिक्षक ड्यूटी पर अनुपस्थित रहे, लेकिन जैसे ही स्पष्टीकरण पत्र जारी हुआ, सभी को तुरंत संदेश प्राप्त हो गया।

वैशाली में रिश्ते को शर्मसार कर देने वाली घटना मामा ने नाबालिग भांजी के साथ किया गंदा काम

एजेंसी। वैशाली

रिश्ते को तार-तार कर देने वाली घटना वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र से आ रही है। जहां एक मामा ने अपनी नाबालिग भांजी के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देकर इस पवित्र रिश्ते को शर्मसार कर दिया है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। इलाके के लोग भी इस घटना से हैरान हैं, लोग कह रहे हैं कि हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है। एक सभ्य समाज में इस तरह की घटनाएं शोभा नहीं देती। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद कलयुगी मामा को जेल भेजा जाएगा।बताया जाता है कि नाबालिग बच्ची अपनी नानी के घर रह रही थी। अपने घर के पीछे ही मामा ने भगनी के साथ गंदा काम किया। पीड़िता के परिजनों ने आरोपी मामा के खिलाफ थाने में केस दर्ज कराया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा और अब पूछताछ के बाद जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। घटना मंगलवार की बतायी जा रही है, जब नाबालिग बच्ची स्कूल में थी तब आरोपी मामा उसके स्कूल में पहुंच गया और आइसक्रीम दिलाने के बहाने घर चलने को कहा लेकिन बच्ची ने घर जाने से मना कर दिया। जैसे ही स्कूल के छुट्टी हुई और बच्ची घर पहुंची तब मामा भगीनी से पानी मांगा। घर के पीछे बैठे मामा को वह पानी देने जैसे ही पहुंची वैसे ही लड़की का मुंह बंदकर उसके साथ मामा ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। बच्ची लहूलुहान हो गयी और चीख चीख कर रोने लगी। बच्ची के रोने की आवास सुनकर घरवाले वहां पहुंचे तब उसकी हालत देख पैरों तले जमीन खिंसक गई। बच्ची ने पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी। जिसके बाद परिवारवालों ने इस बात की सूचना पुलिस को दे दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सबसे पहले पीड़ित बच्ची को इलाज के लिए हाजीपुर सदर सदर में भर्ती कराया जहां पर लड़की का इलाज और मेडिकल जांच दोनों किया गया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। उसे भी मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल लाया गया। फिलहाल पुलिस मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई में जुटी है। बताया जाता है कि पीड़िता के जन्म के 20 दिन बाद ही उनकी मां का देहांत 13 साल पहले हो गया था। जिसके बाद पिता ने दूसरी शादी कर ली थी। तब बच्ची की परवरिश नानी घर में हुई। बच्ची पास के ही एक स्कूल में पढ़ाई करती थी। स्कूल से घर आने के बाद उसके सगे मामा ने अपनी भांजी के साथ मुंह काला किया।

बिहार में अन्य राज्यों से आने वाले लघु खनिज वाहनों के लिए ट्रांजिट पास अनिवार्य

■ **बॉर्डर पर लगेगा सीसीटीवी**

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने राज्य में लघु खनिजों के परिवहन को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब अन्य राज्यों से बिहार की सीमा में प्रवेश करने वाले बालू, पत्थर, स्टोन चिप्स, मोरम, स्टोन डस्ट सहित सभी लघु खनिजों से लदे वाहनों के लिए ट्रांजिट पास (टीपी) लेना अनिवार्य होगा। उप मुख्यमंत्री सह खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा के कुशल प्रबंधन एवं नियमित अनुश्रवण के फलस्वरूप यह निर्णय लिया गया है। इससे राज्य में खनिज परिवहन व्यवस्था अधिक पारदर्शी, वैधानिक और राजस्व उन्मुख बन सकेगी। यह व्यवस्था बिहार खनिज (समानुदान, अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) नियमावली, 2019 (यथा संशोधित) के नियम 41 के अंतर्गत लागू की गई है। इसके तहत अन्य राज्यों से लघु खनिज लेकर आने वाले सभी वाहनों को राज्य की सीमा में प्रवेश करते समय ट्रांजिट पास प्राप्त करना होगा। विभाग द्वारा निर्धारित विनियामक शुल्क के अनुसार, जिन राज्यों से प्राप्त खनिज के परिवहन चालान में खनिज का वजन अंकित होगा, उनके लिए 60 प्रति मीट्रिक टन की दर से ट्रांजिट पास लेना होगा। वहीं जिन चालानों में खनिज का आयतन अंकित होगा, उनके लिए 85 प्रति घनमीटर की दर से ट्रांजिट पास अनिवार्य होगा। राज्य में अवसंरचना विकास की तेज गति के कारण पड़ोसी और अन्य राज्यों से बड़ी मात्रा में बालू, पत्थर सहित विभिन्न लघु खनिजों का आयात किया जा रहा है। अब तक इन खनिजों की मात्रा, प्रकार और परिवहन के अनुश्रवण के लिए कोई समग्र प्रणाली लागू नहीं थी। नई व्यवस्था के तहत सिस्टम इंटीग्रेटर के माध्यम से राज्य की सीमा में प्रवेश करने वाले खनिज लदे वाहनों का डिजिटल अनुश्रवण किया जाएगा। इस निर्णय से राज्य के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। साथ ही अन्य राज्यों से होने वाले अवैध खनन और अवैध परिवहन पर भी प्रभावी रोक लगेगी। एक ही चालान के आधार पर कई बार खनिज ढुलाई करने जैसी अनियमितताओं पर भी अंकुश लगेगा। नई व्यवस्था के तहत सीमावर्ती जिलों के प्रशासन की जिम्मेदारी भी बढ़ाई गई है। खनिज लदे वाहनों की निगरानी के लिए राज्य की सीमाओं पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे ताकि वाहनों की आवाजाही का सतत निरीक्षण किया जा सके। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पहल से खनिजों के वैध स्त्रोत की प्रामाणिकता सुनिश्चित होगी तथा खनन एवं परिवहन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तकनीक आधारित बनेगी। इससे पर्यावरणीय संतुलन और सतत विकास के लक्ष्यों को भी मजबूती मिलेगी।

बेतिया में कई पुलिस पदाधिकारियों का तबादला, कई थानों में नए थानाध्यक्ष की नियुक्ति

एजेंसी। बेतिया

बेतिया में अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्धेश्य से पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन के निर्देश पर कई पुलिस पदाधिकारियों का पदस्थापन किया गया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक, चंपारण क्षेत्र के अनुमोदन के बाद यह आदेश जारी किया गया। जारी आदेश के अनुसार कातिर्केयन एक्के (2024 बैच) को पुलिस अधीक्षक कार्यालय से स्थानांतरित कर योगापट्टी थाना का थानाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सन्नी दयाल को मैनाटांड़ थाना का थानाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा पुलिस निरीक्षक धीरज कुमार को योगापट्टी अंचल से हटाकर नगर थाना में पुनि सह-थानाध्यक्ष के पद पर पदस्थापित किया गया है। मनोज कुमार सिंह को नगर थाना से स्थानांतरित कर तकनीकी शाखा, पश्चिम चंपारण बेतिया में प्रभारी बनाया गया है, उन्हें अतिरिक्त प्रभार योगापट्टी अंचल के पर्यवेक्षी पदाधिकारी कर दिया गया है। इसी क्रम में अभिराम सिंह को योगापट्टी थाना से हटाकर पुलिस केंद्र बेतिया भेजा गया है। ध्रुव नारायण को पुलिस केंद्र से योगापट्टी थाना का अपर थानाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सौरभ कुमार को जगदीशपुर थाना से स्थानांतरित कर पुलिस केंद्र बेतिया भेजा गया है। निशी कुमारी को महिला थाना से स्थानांतरित कर जगदीशपुर थाना का थानाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि शंभू शरण गुप्ता को मैनाटांड़ थाना से स्थानांतरित कर पुलिस केंद्र बेतिया पदस्थापित किया गया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि इन पदस्थापनों से जिले में कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को और मजबूत किया जाएगा।